सत्रीय कार्य निर्देश-पुस्तिका

सत्र – जुलाई 2025

बीएड कार्यक्रम

कार्यक्रम कोड : बीएड (012)

प्रथम वर्ष – द्वितीय सेमेस्टर

क्रमांक	सत्रीय कार्ड कोड	कहाँ प्रेषित करें	संबंधित अध्ययन केंद्र के पते पर सत्रीय कार्य पहुँचने की निर्धारित अन्तिम तिथि
01 02 03 04 05 06	शिक्षा – 021 शिक्षा – 022 शिक्षा – 023 शिक्षा – 024 शिक्षा – 025 शिक्षा – 026	संबंधित अध्ययन केंद्र के पते पर	**पूरक विद्यार्थियों हेतु दिनांक 15 अप्रैल, 2026 तक एवं सत्र 2025-26 के विद्यार्थी हेतु दिनांक 31 मई, 2026 तक**

- अध्ययन केंद्र पर पंजीकृत विद्यार्थी अपने-अपने सत्रीय कार्य अध्ययन केंद्र पर ही जमा कराएँ। ऐसे विद्यार्थियों के सत्रीय कार्य का मूल्यांकन संबंधित अध्ययन केंद्र पर ही किया जाएगा।

ज्ञान शांति मैत्री

दूर शिक्षा निदेशालय

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय

गांधी हिल्स, पोस्ट : हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा महाराष्ट्र - 442 001

फोन/फैक्स नं.: 07152-247146

वेबसाइट : http://hindivishwa.org/distance/

दूर शिक्षा निदेशालय

बी.एड कार्यक्रम **प्रथम वर्ष – द्वितीय सेमेस्टर**

सत्रीय कार्य दिशा-निर्देश

बीएड कार्यक्रम के प्रथम वर्ष – प्रथम सेमेस्टर की 06 पाठ्यचर्याओं में से विद्यार्थी को प्रथम 04 अनिवार्य पाठ्यचर्याओं तथा पंचम (वैकल्पिक) पाठ्यचर्याओं के निर्धारित 02 विकल्पों में से किसी 01 पाठ्यचर्या का चयन करना है। विद्यार्थी को प्रथम 04 अनिवार्य पाठ्यचर्याओं तथा पंचम वैकल्पिक पाठ्यचर्या (विद्यार्थी द्वारा चयनित) के लिए सत्रीय कार्य सम्पूर्ण कर जमा कराना अनिवार्य है। इस प्रकार विद्यार्थी को प्रथम वर्ष - प्रथम सेमेस्टर में कुल 05 सत्रीय कार्य सम्पन्न कर जमा कराने हैं।

प्रत्येक सत्रीय कार्य में विद्यार्थी को कुल 03 प्रश्नों के विश्लेषणात्मक उत्तर लिखने हैं। प्रत्येक प्रश्न के अधिकतम अंक 10 हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 1000 शब्दों में लिखना है।

पूर्ण किये गए सत्रीय कार्यों को मूल्यांकन हेतु निर्धारित अंतिम तिथि से पूर्व संबंधित अध्ययन केंद्र पर जमा कराएँ तथा उनकी एक छायाप्रति अपने पास अनिवार्यत: सुरक्षित रखें।

सत्रीय कार्य का उद्देश्य :

- सत्रीय कार्य का उद्देश्य विश्वविद्यालय द्वारा विद्यार्थी को उपलब्ध करायी गई पाठ्य-सामग्री को विद्यार्थी की हस्तलिपि में पुन: प्राप्त करना नहीं है अपितु विद्यार्थी की अध्ययन-प्रवृत्ति में निरन्तरता बनाए रखने के साथ ही उसके द्वारा अब तक किए गए अध्ययन का मूल्यांकन करना है।
- विद्यार्थी ने कार्यक्रम हेतु निर्धारित पाठ्य-पुस्तकों तथा संबंधित पाठ्य-सामग्री को कितन पढ़ा-समझा है, उसका विवेचन-विश्लेषण करने की कितनी क्षमता अर्जित की है तथा संबंधित पाठ्य के विषय में उसका अपना दृष्टिकोण कितन विकसित हुआ है, आदि उद्देश्यों को दृष्टि में रखने के साथ-साथ विद्यार्थी की लेखन-क्षमता का मूल्यांकन करना भी सत्रीय कार्य का लक्ष्य है।
- विद्यार्थियों को सत्रीय कार्यों में पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखते समय उपर्युक्त उद्देश्यों को स्मरण रखना चाहिए तथा प्राप्त पाठ्य-सामग्री का पुनर्प्रस्तुतीकरण न करते हुए अध्ययन उपरान्त अपनी विकसित विचार-क्षमता के आधार पर ही उत्तर लिखने का प्रयास करना चाहिए।
- पूछे गए प्रश्न के उत्तर में विद्यार्थी का अध्ययन, उसकी आलोचनात्मक दृष्टि, पाठ्य के विषय में उसकी अपनी समझ आदि के साथ ही भाषा एवं वर्तनी संबंधी ज्ञान की अपेक्षा की जाती है।

उपर्युक्त अपेक्षाओं को दृष्टि में रखकर ही विद्यार्थी द्वारा प्रेषित सत्रीय कार्यों का मूल्यांकन किया जाएगा.

सत्रीय कार्य लेखन :

विद्यार्थी सत्रीय कार्य लिखने से पूर्व कृपया निम्नलिखित निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें :-

01. योजना :-

- प्रथमत: सत्रीय कार्य के सभी प्रश्नो को पढ़कर उनका आशय समझ लीजिए। उसके बाद संबंधित पाठ्य-सामग्री को ध्यानपूर्वक पढ़िए।
- पूछे गए प्रश्नों से संबंधित इकाइयों को मनोयोग से पढ़िए। निर्धारित पाठ्य-पुस्तकों का गहन अध्ययन कीजिए।
- साथ ही, सुझायी गई सहायक पुस्तकों को भी रुचिपूर्वक पढ़िए।
- पढ़ते समय प्रत्येक उत्तर से संबंधित महत्त्वपूर्ण तथ्य चिह्नित कर लीजिए और अन्तिम प्रति तैयार करने से पूर्व उन्हें तार्किक क्रम में व्यवस्थित कर लीजिए।

02. संगठन कौशल :-

- अपने उत्तर को अंतिम रूप देने से पूर्व एक कच्ची रूपरेखा बना लीजिए , श्रेष्ठतम तथ्य संकलित करने का प्रयास कीजिए और उसके समुचित विवेचन-विश्लेषण हेतु चिन्तन कीजिए।
- उत्तर लिखते समय प्रस्तावना और समाहार पर विशेष ध्यान दीजिए।
- कृपया ध्यान रखिए कि पूछे गए प्रश्नों के उत्तर तर्कसंगत हों, वाक्य-विन्यास और वर्तनी सम्बन्धी त्रुटियाँ न हों, अनुच्छेदों में परस्पर तारतम्यता हो तथा भाव, शैली और प्रस्तुति का पर्याप्त संयोजन किया गया हो।

03. सत्रीय कार्य लेखन :-

- सत्रीय कार्य विद्यार्थी द्वार **स्वयं की हस्तलिपि** में सम्पन्न किया जाना है।
- पूछे गए प्रश्नों की अन्तिम प्रति स्वच्छ, स्पष्ट, पठनीय अक्षरों में लिखित, वर्तनी सम्बन्धी दोषों से रहित, प्रारूपबद्ध और बिना काट-छाँट किए तथा भली प्रकार नत्थी/स्पाइरल बाइंडिंग की गई हो।
- आवश्यकता प्रतीत होने पर मुख्य बिन्दुओं को रेखांकित किया जा सकता है।
- उत्तर-पुस्तिका में केवल नीले अथवा काले रंग की स्याही वाले पेन अथवा बॉलपेन का ही प्रयोग कीजिए।
- उत्तर-पुस्तिका में प्रश्नों के उत्तर पूछे गए प्रश्नों के क्रमानुसार ही लिखिए। किसी भी प्रश्न का उत्तर लिखना प्रारम्भ करने से पूर्व संबंधित प्रश्न क्रमांक अवश्य लिखिए।
- प्रत्येक नए उत्तर का प्रारम्भ नए पृष्ठ से कीजिए।
- उत्तर-पुस्तिका हेतु A-4 साइज़ के कागज का प्रयोग करें।
- कार्य सम्पन्नोपरान्त सभी कागज़ों को भली प्रकार नत्थी कर लीजिए। विद्यार्थियों को सलाह दी जाती है कि अपनी उत्तर-पुस्तिका की सुरक्षित प्रस्तुति हेतु वे समस्त कागज़ों को स्पाइरल बाइंडिंग करा लें । विद्यार्थी अपनी सुविधानुसार गुणवत्तापूर्ण कागज़ के बड़े आकार के जिल्दबंद रजिस्टर में भी सत्रीय कार्य प्रस्तुत कर सकते हैं।
- सत्रीय कार्य के अंतिम पृष्ठ पर कुल पृष्ठ संख्या लिखकर **अपने हस्ताक्षर कीजिए**।
- सत्रीय कार्य की विद्यार्थी द्वारा **स्वयं की हस्तलिपि में लिखित** प्रति ही स्वीकार की जाएगी।
- आवश्यकता प्रतीत होने पर विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत सत्रीय कार्य में लिखित हस्तलिपि (हेंड राइटिंग) का मिलान करवाया जाएगा। दोनों की हस्तलिपि (हेंड राइटिंग) में भिन्नता पाए जाने पर ऐसे सत्रीय कार्यों का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा।
- सत्रीय कार्य की **कंप्यूटर टंकित प्रति अस्वीकार्य** है। कंप्यूटर टंकित सत्रीय कार्यों का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा

सत्रीय कार्य प्रस्तुतीकरण :

सत्रीय कार्य प्रस्तुतीकरण से पूर्व निम्नलिखित निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़िए :-

01. **सत्रीय कार्य उत्तर-पुस्तिका के मुख पृष्ठ के लिए निम्नलिखित प्रारूप निर्धारित हैं :**

सत्रीय कार्य उत्तर-पुस्तिका के मुख पृष्ठ का प्रारूप

.....

दूर शिक्षा निदेशालय
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय
गांधी हिल्स, पोस्ट : हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा महाराष्ट्र- 442001
फोन / फैक्स नं. : 07152-247146 वेबसाईट : http://hindvishwa.org/distance

.....

बीएड कार्यक्रम, प्रथम वर्ष – द्वितीय सेमेस्टर, कार्यक्रम कोड: शिक्षा – 012

सत्रीय कार्य प्रश्नपत्र क्रमांक :
सत्रीय कार्य कोड :
पाठ्यचर्या क्रमांक :
पाठ्चर्या का शीर्षक :

.....

विद्यार्थी का नाम :
अनुक्रमांक :
नामांकन संख्या :
पत्राचार पता :
मोबाईल नं. :
ई- मेल :

.....

संबंधित अध्ययन केंद्र का नाम एवं पता :
दिनांक :
स्थान:
विद्यार्थी के हस्ताक्षर :

02. उत्तर-पुस्तिका के मुखपृष्ठ के निम्नाभाग में संबंधित अध्ययन केंद्र का नाम एवं पता लिखिए तथा स्थान एवं दिनांक अंकित करते हुए अपने हस्ताक्षर अवश्य कीजिए। अहस्ताक्षरित प्रति अस्वीकार्य है।
03. सत्रीय कार्य उत्तरपुस्तिका को जाँच हेतु संबंधित अध्ययन केंद्र के पते पर जमा करा दीजिये।
04. लिफ़ाफ़े के शीर्ष पर –

सत्रीय कार्य, बीएड कार्यक्रम, प्रथम वर्ष – प्रथम सेमेस्टर, कार्यक्रम कोड : शिक्षा 012 अवश्य लिखिए।

हम यह विश्वास करते हैं कि आप उपर्युक्त दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए गुणवत्तापूर्ण सत्रीय-कार्य निर्धारित समय पर प्रस्तुत करेगें और एम. ए. हिंदी कार्यक्रम सफलता पूर्वक संपन्न करेगें।

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय वर्धा

बी.एड. (सत्र 2025-27) द्वितीय सेमेस्टर

सत्रीय कार्य

कुल अंक : 30

प्रश्न पत्र कोड : शिक्षा 021

प्रश्न पत्र का नाम : संज्ञान अधिगम एवं शिक्षा

- निम्नलिखित में से किन्हीं 03 प्रश्नों के उत्तर लिखिए।
- प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 1000 शब्दों में लिखिए।
- प्रत्येक प्रश्न के अधिकतम अंक 10 हैं।

प्रश्नसंख्या 01 :पावलॉव के शास्त्रीय अनुबन्धन सिद्धान्त को स्पष्ट करते हुए शैक्षणिक क्षेत्र में उसकी उपयोगिता की चर्चा कीजिए|

प्रश्नसंख्या 02 :समावेशी शिक्षा की आवश्यकता आधुनिक भारतीय शिक्षा प्रणाली में क्यों बढ़ रही है? इसके सिद्धांतों एवं लाभों का वर्णन कीजिए तथा विद्यालय स्तर पर इसे प्रभावी बनाने के उपाय सुझाइए।

प्रश्नसंख्या 03 :रचनाशीलता (creativity) से आप क्या समझते है ?रचनाशीलता की संकल्पना को स्पष्ट कीजिए तथा अपने विद्यार्थियों में रचनाशीलता के विकास हेतु आप क्या प्रयास करेंगे उदाहरण द्वारा स्पष्ट कीजिए|

प्रश्नसंख्या 04 :पथावासी (सड़क पर रहने वाले) बच्चों की शिक्षा की समस्याओं का विस्तृत वर्णन कीजिए। उनके शैक्षिक, सामाजिक एवं मनोवैज्ञानिक पक्षों को ध्यान में रखते हुए शिक्षा प्रदान करने की उपयुक्त रणनीतियाँ स्पष्ट कीजिए।

प्रश्नसंख्या 05 :विशिष्ट क्षमता वाले विद्यार्थियों से आप क्या समझते है ?विशिष्ट क्षमता वाले विद्यार्थियों को अभिप्रेरित करने के लिए आप किन युक्तियों को अपनाएंगेऔर क्यों?

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

दूर शिक्षा निदेशालय

बी.एड. (सत्र 2025-27) द्वितीय सेमेस्टर

सत्रीय कार्य

कुल अंक : 30

प्रश्न पत्र कोड :शिक्षा-022

प्रश्न पत्र का नाम :शैक्षिक आकलन

- **निम्नलिखित में से किन्हीं 03 प्रश्नों के उत्तर लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 1000 शब्दों में लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न के अधिकतम अंक 10 हैं।**

प्रश्नसंख्या 01 : प्रचलित आकलन व मूल्यांकन प्रक्रिया का आलोचनात्मक विश्लेषण कीजिये।

प्रश्नसंख्या 02 : मापन एवं परीक्षण को विस्तार से समझाइये।

प्रश्नसंख्या 03 : ब्लूम टेक्सोनोमी का आलोचनात्मक अध्ययन विश्लेषण कीजिये।

प्रश्नसंख्या 04 : आकलन कितने प्रकार से कर सकते है? समझाइये।

प्रश्नसंख्या 05 : केंद्रीय प्रवृत्तियों का मापन। शैक्षिक आकलन में क्या महत्व है? समझाइये।

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय वर्धा

बी.एड. (सत्र 2025-27) द्वितीय सेमेस्टर

सत्रीय कार्य

कुल अंक : 30

प्रश्न पत्र कोड : शिक्षा : 0 23

प्रश्न पत्र : ज्ञान एवं पाठ्यचर्या

- **निम्नलिखित में से किन्हीं 03 प्रश्नों के उत्तर लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 1000 शब्दों में लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न के अधिकतम अंक 10 हैं।**

प्रश्नसंख्या 01 : ज्ञानमीमांसा की संकल्पना को विस्तार से चर्चा कीजिए।

प्रश्नसंख्या 02 : विद्यार्थी केंद्रित शिक्षा से आप क्या समझते हैं ? स्पष्ट कीजिए।

प्रश्नसंख्या 03 : संस्कृति और आधुनिकता को विस्तार से समझाइये।

प्रश्नसंख्या 04 : पाठ्यक्रम का अर्थ, परिभाषा, उद्देश्य बतलाते हुये पाठ्यक्रम के निर्माण में सहभागी घटक को समझाइये।

प्रश्नसंख्या 05 : पाठ्य पुस्तक अर्थ एवं महत्व बताते हुए पाठ्य-पुस्तकों की समीक्षा के विभिन्न बिंदुओ की विस्तारपूर्वक चर्चा कीजिए।

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय वर्धा

बी.एड. (सत्र 2025-27) द्वितीयसेमेस्टर

सत्रीय कार्य

कुल अंक : 30

प्रश्न पत्र कोड : **शिक्षा : 024**

प्रश्न पत्र : **विद्यालय विषय शिक्षण I- सामाजिक विज्ञान शिक्षण**

- **निम्नलिखित में से किन्हीं 03 प्रश्नों के उत्तर लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 1000 शब्दों में लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न के अधिकतम अंक 10 हैं।**

प्रश्नसंख्या 01:ज्ञानानुशासन के रुप में सामाजिक विज्ञान को स्पष्टकीजिए। सामाजिक विज्ञान का अन्य विद्यालयी विषयों के साथ सहसंबंध स्पष्ट कीजिए।

प्रश्नसंख्या 02:कक्षा 8 के सामाजिक विज्ञान के पाठ्यपुस्तक का आलोचनात्मक अध्ययन कीजिए।

प्रश्नसंख्या 03: सामाजिक विज्ञान के पाठ्यक्रम विकास के उपागमों की चर्चा कीजिए।

प्रश्नसंख्या 04:सामाजिक विज्ञान शिक्षण की विभिन्न शिक्षण विधियों का उल्लेख करते हुए स्रोत विधि का वर्णन कीजिए।

प्रश्नसंख्या 05:लोकतंत्र, नागरिकता एवं मानवाधिकार के विमर्श की चर्चा कीजिए।

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

दूर शिक्षा निदेशालय

बी.एड. (सत्र 2025-27) द्वितीय सेमेस्टर

सत्रीय कार्य

कुल अंक : 30

प्रश्न पत्र कोड :शिक्षा 024

प्रश्न पत्र का नाम : विद्यालय विषय शिक्षण-I भौतिकीय विज्ञान शिक्षण

- **निम्नलिखित में से किन्हीं 03 प्रश्नों के उत्तर लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 1000 शब्दों में लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न के अधिकतम अंक 10 हैं।**

प्रश्नसंख्या 01 : वैज्ञानिक विधि क्या है ? वैज्ञानिक विधि की आवश्यकता एवं इसकी प्रवृत्तियां बतलाते हुये वैज्ञानिक विधि के गुण बतलाइये।

प्रश्नसंख्या 02 :विज्ञान पाठ्यक्रम के विषयगत ज्ञान को केंद्र में रखकर परिप्रेक्ष्य के विकास की आवश्यकता स्पष्ट करें।

प्रश्नसंख्या 03 : राष्ट्रीय पाठ्यचर्या में विज्ञान शिक्षण की भूमिका एवं विज्ञान के स्थान का वर्णन कीजिये।

प्रश्नसंख्या 04 : विज्ञान में प्रायोगिक कार्य के द्वारा सीखने की प्रक्रिया का वर्णन कीजिये।

प्रश्नसंख्या 05 : वस्तुनिष्ठ परीक्षण क्या है ? उसके विभिन्न प्रकारों को समझाइये।

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय वर्धा

बी.एड. (सत्र 2025-27) द्वितीय सेमेस्टर

सत्रीय कार्य

कुल अंक : 30

प्रश्न पत्र कोड : शिक्षा 025

प्रश्न पत्र का नाम : अंग्रेजी शिक्षण

- निम्नलिखित में से किन्हीं 03 प्रश्नों के उत्तर लिखिए।
- प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 1000 शब्दों में लिखिए।
- प्रत्येक प्रश्न के अधिकतम अंक 10 हैं।

प्रश्नसंख्या 01 : Define the Direct Method of teaching English. Why is the mother tongue avoided in the Direct Method? Write any two Principle and Merits and De-merits of Direct method.

प्रश्नसंख्या 02 : What is three language formula? What are the important factors affecting language learning?

प्रश्नसंख्या 03 : What is Constructivist approach? How is constructivism different from traditional teaching? State two advantages of the Constructivist Approach.

प्रश्नसंख्या 04 : What are the objectives of teaching reading? What is the difference between loud reading and silent reading? Describe any one methods of developing Reading skill?

प्रश्नसंख्या 05 :What are the characteristics of a good importance of lesson plan? Prepare a lesson plan on any topic you like of 9^{th}std.

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

दूर शिक्षा निदेशालय

बी.एड. (सत्र 2025-26) द्वितीय सेमेस्टर

सत्रीय कार्य

कुल अंक : 30

प्रश्न पत्र कोड : शिक्षा 025

प्रश्न पत्र का नाम :हिंदी शिक्षण

- **निम्नलिखित में से किन्हीं 03 प्रश्नों के उत्तर लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 1000 शब्दों में लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न के अधिकतम अंक 10 हैं।**

प्रश्नसंख्या 01 : भाषा शिक्षण के सामान्य सिद्धान्त कौन-कौन हैं?

प्रश्नसंख्या 02 : भाषा शिक्षण की प्रचलित विधियाँ कौन-कौनसी हैं?

प्रश्नसंख्या 03 : श्रवण कौशल केउद्देश्य, महत्व एवं शिक्षण की विधियों का वर्णन कीजिये।

प्रश्नसंख्या 04 :हिन्दी शिक्षण के उच्च स्तर पर पाठ्यक्रम कैसा होना चाहियें ? स्पष्ट करें।

प्रश्नसंख्या 05 : पद्य शिक्षण का स्वरूप उद्देश एवं विधियों का वर्णन कीजिये।

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

दूर शिक्षा निदेशालय

बी.एड. (सत्र 2024-25) द्वितीय सेमेस्टर

सत्रीय कार्य

कुल अंक : 30

प्रश्न पत्र कोड : शिक्षा 025

प्रश्न पत्र का नाम :संस्कृत शिक्षण

- **निम्नलिखित में से किन्हीं 03 प्रश्नों के उत्तर लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 1000 शब्दों में लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न के अधिकतम अंक 10 हैं।**

प्रश्न संख्या 01 : संस्कृत भाषा का महत्व विस्तार से बतलाइये।

प्रश्न संख्या 02 : संस्कृत शिक्षण पद्धतियाँ कौन-कौनसी हैं? किन्हीं दो पद्धतियों का वर्णन कीजिये।

प्रश्न संख्या 03 : गद्य शिक्षण की पाठ्य योजना निर्माण के विभिन्न सोपानों का वर्णन कीजिये।

प्रश्न संख्या 04 : संस्कृत शिक्षण में कौन-कौन से दृश्य-श्रव्य उपकरण प्रयोग में लाते वर्णन कीजिये।

प्रश्न संख्या 05 : संस्कृत भाषा में मूल्यांकन के प्रकार कौन-कौन से हैं ? वर्णन कीजिये।

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय वर्धा

बी.एड. (सत्र 2025-27) द्वितीय सेमेस्टर

सत्रीय कार्य

कुल अंक : 30

प्रश्न पत्र कोड : शिक्षा : 025

प्रश्न पत्र : विद्यालय विषय शिक्षण II- मराठी शिक्षण

- **निम्नलिखित प्रश्नापैकी कोणत्याही 03 प्रश्नाची उत्तरे लिहावी.**
- **प्रत्येक प्रश्नाचे उत्तर कमीत-कमी 1000 शब्दामध्ये लिहावे.**
- **प्रत्येक प्रश्नाला जास्तीत जास्त 10 गुण आहे.**

प्रश्नसंख्या 01:मराठी भाषा शिक्षणाचे अभ्यासक्रमातील स्थान व महत्व स्पष्ट करा?

प्रश्नसंख्या 02भाषा कौशल्याच्या विकासाकरिता मराठी भाषा शिक्षक या नात्याने तुम्ही कोणकोणते उपक्रम राबवाल?

प्रश्नसंख्या 03: भाषा अध्यापनाच्या विविध पद्धती सांगून कथाकथन पद्धतीचे सविस्तर वर्णन करा?

प्रश्नसंख्या 04:वार्षिक नियोजनाचा अर्थ स्पष्ट करून वार्षिक नियोजनाचा आदर्श नमुना तयार करा?

प्रश्नसंख्या 05:विद्यार्थ्यांच्या सर्वांगीण विकासातील अभ्यासपुरक उपक्रमाचे महत्व स्पष्ट करा?

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय,वर्धा

दूर शिक्षा निदेशालय

बी.एड. (सत्र 2024-25) द्वितीयसेमेस्टेर

सत्रीय कार्य

कुल अंक : 30

प्रश्न पत्र कोड : शिक्षा025

प्रश्न पत्र का नाम :संस्कृतशिक्षण

- **निम्नलिखित में से किन्हीं 03 प्रश्नों के उत्तर लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 1000 शब्दों में लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न के अधिकतम अंक 10 हैं।**

प्रश्न संख्या 01 :संस्कृत भाषा का महत्व विस्तार से बतलाइये।

प्रश्न संख्या 02 :संस्कृतत शिक्षण पद्धतियाँ कौन-कौनसी हैं? किन्हीं दो पद्धतियों का वर्णन कीजिये।

प्रश्न संख्या 03 :गद्य शिक्षण की पाठ्य योजना निर्माण के विभिन्न सोपानों का वर्णन कीजिये।

प्रश्न संख्या 04 :संस्कृ ि त शिक्षण में कौन-कौनदृश्य-श्रव्य उपकरण प्रयोग में लाते वर्णन कीजिये।

प्रश्न संख्या 05 :संस्कृत भाषा में मूल्यां कनके प्रकार कौन-कौन से हैं ? वर्णन कीजिये।

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय वर्धा

बी.एड. (सत्र 2025-27) द्वितीय सेमेस्टर

सत्रीय कार्य

कुल अंक : 30

प्रश्न पत्र कोड : शिक्षा 025

प्रश्न पत्र का नाम : जीव विज्ञान शिक्षण

- निम्नलिखित में से किन्हीं 03 प्रश्नों के उत्तर लिखिए।
- प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 1000 शब्दों में लिखिए।
- प्रत्येक प्रश्न के अधिकतम अंक 10 हैं।

प्रश्नसंख्या 01 :विद्यालय शिक्षण में जीव विज्ञान विषय का महत्व स्पष्ट करते हुए जीव विज्ञान का अन्य विषयों के साथ संबंध स्पष्ट कीजिए |

प्रश्नसंख्या 02 :जीव विज्ञान शिक्षक के लिए पाठ योजना बनाना क्यों आवश्यक है ?पाठ योजना में सभी सोपानों का महत्व बताते हुए कक्षा 9 वी के लिए पाठयोजना तैयार कीजिए |

प्रश्नसंख्या 03 :जीव विज्ञान शिक्षण में प्रदर्शन विधि का महत्व स्पष्ट करते हुए आप अपनी कक्षा में प्रदर्शन विधि का उपयोग कैसे करेंगे ?स्पष्ट कीजिए |

प्रश्नसंख्या 04 :जीव –विज्ञान शिक्षण में क्षेत्र अवलोकन एवं विज्ञान किट निर्माण का महत्व स्पष्ट कीजिए |एक जीव विज्ञान शिक्षक के रूप में आप कौनसे विषय के लिए कहाँ क्षेत्र अवलोकन करोंगे?उदहारण दीजिए |

प्रश्नसंख्या 05 :उपलब्धि परिक्षण का महत्व बताते हुए जीव विज्ञान के किसी भी एक विषय पर उपलब्धि परिक्षण तैयार कीजिए |

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

दूर शिक्षा निदेशालय

बी.एड. (सत्र 2025-26) द्वितीय सेमेस्टर

सत्रीय कार्य

कुल अंक : 30

प्रश्न पत्र कोड : शिक्षा 025

प्रश्न पत्र का नाम : विद्यालय विषय शिक्षण –II (गणित शिक्षण)

- **निम्नलिखित में से किन्हीं 03 प्रश्नों के उत्तर लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 1000 शब्दों में लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न के अधिकतम अंक 10 हैं।**

प्रश्नसंख्या 01 : गणित का अन्य विषयों के साथ सह-सम्बंध बतलाइये।

प्रश्नसंख्या 02 : गणित शिक्षण की विधि कौन-कौनसी है? किन्हीं 4 विधियों वर्णन कीजिये।

प्रश्नसंख्या 03 : इकाई योजना का महत्व बतलाते हुये, इकाई योजना के गुण-दोष बतलाइये एवं एक इकाई योजना बनाइये।

प्रश्नसंख्या 04 : विद्यालयी गणित की उत्कृष्टता में शिक्षक की भूमिका का वर्णन कीजिये।

प्रश्नसंख्या 05 : व्यक्तिनिष्ठ और वस्तुनिष्ठ परीक्षण को विस्तार से समझाइये।

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय वर्धा
बी.एड. (सत्र 2025-27) द्वितीय सेमेस्टर
प्रायोगिक कार्य

कुल अंक : 100

प्रश्न पत्र कोड : शिक्षा : 026
प्रश्न पत्र : विद्यालय संपर्क कार्यक्रम

- **विद्यालय संपर्क कार्यक्रम एक सप्ताह के लिए है।**
- **विद्यालय संपर्क कार्यक्रम 100 अंक का हैं।**
- **निम्नलिखित निर्देश एवं विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध मार्गदर्शक पुस्तिका के अनुसार कार्य कर रिपोर्ट प्रस्तुत करें।**

विद्यालय संपर्क कार्यक्रम (100 अंक) क्रेडिट - 4

अ.क्र.	कोड	क्रेडिट	विद्यालय संपर्क कार्यक्रम एक सप्ताह के लिए	अंक	कुल अंक
01	026	04	कक्षा शिक्षण अवलोकन एवं रिपोर्ट लेखन आपके द्वारा चयनित विद्यालय विषय शिक्षण-I के 05, विद्यालय विषय शिक्षण-II के 05 एवं अन्य विषयों के 05 कक्षा अवलोकन एवं सारांश लेखन (प्रत्येक कक्षा अवलोकन के लिए अधिकतम 03 अंक और सारांश लेखन के लिए अधिकतम 05 अंक)	50	100
02			विद्यालय परिवेश व अन्य गतिविधियों का अवलोकन, रिपोर्ट लेखन एवं परियोजना तैयार करना	15	
03			पाठ-सहगामी क्रिया का आयोजन तथा प्रबंधन (05 पाठ-सहगामी क्रिया) (प्रत्येक पाठ-सहगामी क्रिया का आयोजन, प्रबंधन एवं रिपोर्ट लेखन के लिए अधिकतम 04 अंक	20	
04			विद्यालयी दैनिकी (एक सप्ताह) (प्रत्येक दिन की दैनिकी के लिए अधिकतम 02 अंक और रिपोर्ट लेखन के लिए अधिकतम 03 अंक)	15	
कुल क्रेडिट : 04					100